भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2885 का उत्तर

महाराष्ट्र/मध्य प्रदेश और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे जोन में रेलवे लाइनें

2885. श्री ज्ञानेश्वर पाटील:
श्री राजू बिष्ट:
श्री निलेश ज्ञानदेव लंके:
श्री संदिपनराव आसाराम भुमरे:
डॉ. शिवाजी बंडाप्पा कालगे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान विभिन्न राज्यों में नई रेल लाइनों को बिछाने, नई रेल लाइनों के दोहरीकरण, गेज रूपांतरण, दोहरीकरण और विद्युतीकरण से संबंधित कार्यों की वर्तमान स्थिति का परियोजना-वार और राज्य-वार, विशेषकर महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (एनएफआर) जोन के संदर्भ में, ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त कार्यों के लिए अब तक आवंटित की गई निधि और किए गए व्यय का ब्यौरा क्या है और अनुमानित लागत कितनी है;

(ग) परियोजनाओं की वास्तविक प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने उपर्युक्त रेल परियोजनाओं को पूरा करने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया है;

(ङ) यदि हां, तो उक्त राज्यों और जोन के लिए निर्धारित लक्ष्यों का ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में अब तक क्या विभिन्न कदम उठाए गए हैं; और

(च) अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के अंतर्गत पूर्वोत्तर सीमा रेलवे जोन में चयनित स्टेशनों की स्टेशन-वार कितनी प्रगति हुई है और कितना वित्तीय आवंटन हुआ है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): पिछले 12 वर्षों के दौरान भारतीय रेल द्वारा रेल नेटवर्क की क्षमता संवर्धन का कार्य बड़े पैमाने पर शुरू किया गया है। भारतीय रेल में नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाए जाने का विवरण निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	7,599 कि.मी.	4.2 कि.मी./दिन
2014-26	36,429 कि.मी.	8.32 कि.मी./दिन (लगभग 2 गुना)

स्वीकृत परियोजनाएं:

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, संपूर्ण भारतीय रेल में लगभग 8.31 लाख करोड़ रुपए की लागत व 40,000 कि.मी. कुल लंबाई वाली 514 रेल अवसंरचना परियोजनाओं (169 नई रेल लाइन, 29 आमान परिवर्तन तथा 316 दोहरीकरण) की स्वीकृति दी गई है। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण की कुल लंबाई (कि.मी.)	मार्च, 2026 तक कमीशन की गई परियोजनाओं की लंबाई (कि.मी.)	मार्च 2026 तक कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइनें	169	16,634	3,361	1,57,572
आमान परिवर्तन	29	3987	3,045	24,227
दोहरीकरण	316	19,379	6,177	1,23,454
कुल	514	40,000	12,583	3,05,253

सभी रेल परियोजनाओं का जोन-वार/वर्ष-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

मध्य प्रदेश

रेल बजटः

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मध्य प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं और संरक्षा संबंधी निर्माण कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	632 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2026-27	15,188 करोड़ रु. (लगभग 24 गुना)

रेलपथ निर्माण:

मध्य प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथों के निर्माण का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	145 कि.मी.	29 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-26	2,893 कि.मी.	241.1 कि.मी. प्रति वर्ष (8 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएँ:

दिनांक 01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, मध्य प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 1,26,939 करोड़ रु. की लागत वाली 5,584 कि.मी. कुल लंबाई की 32 परियोजनाएँ (10 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 20 दोहरीकरण), स्वीकृत हैं। सारांश निम्नानुसार है:

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2026 तक किया गया व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	10	1,936	621	19,435
आमान परिवर्तन	02	809	457	7,771
दोहरीकरण/बहुपथन	20	2,839	1,037	18,876
कुल	32	5,584	2,115	46,082

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

मध्य प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1.	अनूपपुर - कटनी तीसरी लाइन (166 कि.मी.)	2,311
2.	पेंड्रा रोड - अनूपपुर तीसरी लाइन (50 कि.मी.)	394
3.	भोपाल- बीना तीसरी लाइन (145 कि.मी.)	1,075
4.	बीना -कोटा दोहरीकरण (283 कि.मी.)	2,477

5.	जबलपुर- गोंदिया आमान परिवर्तन (300 कि.मी.)	2,005
6.	छिंदवाड़ा -नागपुर आमान परिवर्तन (150 कि.मी.)	1,512
7.	छिंदवाड़ा-मंडला फोर्ट आमान परिवर्तन (182 कि.मी.)	1,268
8.	इटारसी-बुधनी तीसरी लाइन (25 कि.मी.)	286
9.	बरखेड़ा -भोपाल तीसरी लाइन (41 कि.मी.)	473
10.	नीमच-चित्तौड़गढ़ दोहरीकरण (56 कि.मी.)	560
11.	बुधनी-बरखेड़ा तीसरी लाइन (27 कि.मी.)	1,703
12.	इंदौर- देवास -उज्जैन दोहरीकरण (79 कि.मी.)	757
13.	गुना - इटावा नई लाइन (348 कि.मी.)	683
14.	रमना-सिंगरौली दोहरीकरण (160 कि.मी.)	2,436
15.	करैला रोड- शक्तिनगर दोहरीकरण (32 कि.मी.)	763
16.	कटनी-बीना तीसरी लाइन (260 कि.मी.)	3,138
17.	नीमच-रतलाम दोहरीकरण (133 कि.मी.)	1,475

चालू परियोजनाएं:

मध्य प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाओं, जिन्हें शुरू किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1.	कटनी - ग्रेड सेपरेटर/बाईपास (35 कि.मी.)	2,300
2.	कटनी - सिंगरौली दोहरीकरण (257 कि.मी.)	4,377
3.	ललितपुर - खजुराहो नई लाइन (541 कि.मी.)	8,914
4.	रामगंजमंडी -भोपाल नई लाइन (277 कि.मी.)	5,073
5.	इंदौर - बुदनी नई लाइन (198 कि.मी.)	7,474
6.	नीमच-बड़ी सादड़ी नई लाइन (48 कि.मी.)	896

7.	ग्वालियर- श्योपुरकलां आमान परिवर्तन (284 कि.मी.)	3,947
8.	इटारसी - नागपुर तीसरी लाइन (280 कि.मी.)	2,607
9.	झांसी- बीना तीसरी लाइन (153 कि.मी.)	2,002
10.	मथुरा-झांसी तीसरी लाइन (274 कि.मी.)	5,961
11.	झांसी- मानिकपुर और खिरार-भीमसेन दोहरीकरण (431 कि.मी.)	4,330
12.	सतना-रीवा दोहरीकरण (50 कि.मी.)	616
13.	मनमाड - इंदौर नई लाइन (360 कि.मी.)	18,529
14.	भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 कि.मी.)	3,285
15.	दाहोद -इंदौर नई लाइन (205 कि.मी.)	9,746
16.	छोटा उदेपुर-धार नई लाइन (147 कि.मी.)	1,994
17.	रतलाम-नागदा तीसरी और चौथी लाइन (41 कि.मी.)	964
18.	वडोदरा-रतलाम तीसरी और चौथी लाइन (259 कि.मी.)	8,885
19.	रतलाम-अकोला आमान परिवर्तन (525 कि.मी.)	18,811
20.	बीना-इटारसी चौथी लाइन (237 कि.मी.)	4,329
21.	इटारसी-नागपुर चौथी लाइन (297 कि.मी.)	5,010
22.	गोंदिया-जबलपुर दोहरीकरण (231 कि.मी.)	5,236
23.	नागदा-मथुरा तीसरी और चौथी लाइन (568 कि.मी.)	16,403

महाराष्ट्र

रेल बजट:

पिछले पांच वर्षों के दौरान बजट आबंटन में काफी वृद्धि हुई है। महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,171 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2026-27	23,926 करोड़ रुपए (20 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:

2009-14 और 2014-26 के दौरान महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ के निर्माण का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	292 कि.मी.	58.4 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-26	2,585 कि.मी.	215.4 कि.मी. प्रति वर्ष (लगभग 4 गुना)

स्वीकृत परियोजनाएं:

दिनांक 01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 1,42,635 करोड़ रु. की लागत से 5,956 कि.मी. कुल लंबाई की 52 परियोजनाओं (13 नई लाइनें, 02 आमान परिवर्तन और 37 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक किया गया व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	13	1,399	266	13,065
आमान परिवर्तन	02	609	334	5,013
दोहरीकरण/बहुपथन	37	3,948	998	16,704
कुल	52	5,956	1,598	34,782

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली व हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	पुणे-मिराज-लोंडा दोहरीकरण (467 कि.मी.)	6,463

2	होटगी-कुडगी-गदाग दोहरीकरण (284 कि.मी.)	2,459
3	मनमाड-जलगांव तीसरी लाइन (160 कि.मी.)	1,677
4	जबलपुर-गोंदिया आमान परिवर्तन (300 कि.मी.)	2,005
5	छिंदवाड़ा-नागपुर आमान परिवर्तन (150 कि.मी.)	1,512
6	पनवेल-पेन दोहरीकरण (35 कि.मी.)	263
7	पेन-रोहा दोहरीकरण (40 कि.मी.)	330
8	उधना-जलगांव दोहरीकरण (307 कि.मी.)	2,448
9	मुदखेड़-परभणी दोहरीकरण (81 कि.मी.)	673
10	भुसावल-जलगांव तीसरी लाइन (24 कि.मी.)	325
11	जलगांव-भुसावल चौथी लाइन (24 कि.मी.)	261
12	दौंड-गुलबर्गा दोहरीकरण (225 कि.मी.)	3,182
13	दौंड-मनमाड दोहरीकरण (236 कि.मी.)	3,426

चालू परियोजनाएं:

महाराष्ट्र राज्य में रेल अवसंरचना को और बेहतर बनाने के लिए, निम्नलिखित कार्य शुरू किए गए हैं:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (₹ करोड़ में)
1	अहिल्यानगर-परली वैजनाथ नई लाइन (261 कि.मी.)	5,800
2	बारामती-लोणांद नई लाइन (64 कि.मी.)	1,844
3	वर्धा-नांदेड़ नई लाइन (284 कि.मी.)	5,248
4	इंदौर-मनमाड नई लाइन (360 कि.मी.)	18,529
5	वाडसा-गढ़चिरौली नई लाइन (52 कि.मी.)	1,886
6	जालना-जलगांव नई लाइन (174 कि.मी.)	5,804

7	वर्धा-नागपुर तीसरी लाइन (76 कि.मी.)	917
8	वर्धा-बल्लारशाह तीसरी लाइन (132 कि.मी.)	1,755
9	इटारसी-नागपुर तीसरी लाइन (280 कि.मी.)	2,607
10	राजनांदगांव-नागपुर तीसरी लाइन (228 कि.मी.)	3,545
11	वर्धा-नागपुर चौथी लाइन (79 कि.मी.)	1,215
12	जलगांव-मनमाड चौथी लाइन (160 कि.मी.)	2,574
13	भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 कि.मी.)	3,285
14	सोलापुर-तुलजापुर-उस्मानाबाद नई लाइन (84 कि.मी.)	3,296
15	पनवेल-चौक दोहरी लाइन (17 कि.मी.)	491
16	वर्धा-बल्हारशाह चौथी लाइन (135 कि.मी.)	2,226
17	इटारसी-नागपुर चौथी लाइन (297 कि.मी.)	5,010
18	वर्धा-भुसावल तीसरी और चौथी लाइन (314 कि.मी.)	9,197
19	गोंदिया-डोंगरगढ़ चौथी लाइन (84 कि.मी.)	2,223
20	गोंदिया-बल्हारशाह दोहरीकरण (240 कि.मी.)	4,819
21	कल्याण-कसारा तीसरी लाइन (68 कि.मी.)	1,433
22	नाइगांव-जुइचेंद्र दोहरी कॉर्ड लाइन (5 कि.मी.)	176
23	नीलजे-कोपर दोहरी कॉर्ड लाइन (5 कि.मी.)	338
24	बदलापुर-कर्जत तीसरी और चौथी लाइन (32 कि.मी.)	1,324
25	आसनगांव-कसारा चौथी लाइन (35 कि.मी.)	794
26	कसारा-मनमाड तीसरी और चौथी लाइन (131 कि.मी.)	10,154
27	गोंदिया-जबलपुर दोहरीकरण (231 कि.मी.)	5,236
28	चालीसगांव रेल ओवर रेल फ्लाईओवर (11 कि.मी.)	264
29	चिखली और सोमताने (4 कि.मी.) के बीच कॉर्ड लाइन	172

मुंबई उपनगरीय क्षेत्र के लिए क्षमता संवर्धन कार्य:

वर्तमान में, मुंबई क्षेत्र में प्रतिदिन लगभग 120 मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियां तथा 3200 उपनगरीय रेलगाड़ियों की सम्हलाई की जाती है।

मुंबई क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों पर गाड़ी सम्हलाई क्षमता बढ़ाने के लिए, विभिन्न स्टेशनों पर निम्नलिखित निर्माण कार्य पूरे किए गए हैं/शुरू किए गए हैं/नियोजित किए गए हैं:

क्र. सं	स्थान	विवरण
1	बांद्रा टर्मिनस	3 पिट लाइनों को पूरा किया गया।
2	मुंबई सेंट्रल	24 एलएचबी सवारी डिब्बों के लिए प्लेटफॉर्मों का विस्तार
3	जोगेश्वरी	5 अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, 2 पिट लाइनें
4	दादर	1 अतिरिक्त प्लेटफॉर्म
5	पनवेल-कलंबोली	5 प्लेटफॉर्म, 4 पिट लाइनें और 2 सिक लाइनें
6	कल्याण	6 प्लेटफॉर्म तथा 4 पिट लाइनें
7	लोकमान्य तिलक टर्मिनस	4 प्लेटफॉर्म तथा 2 पिट लाइनें
8	परेल	6 प्लेटफॉर्म, 5 पिट लाइनें, 6 स्टेबलिंग लाइनें
9	वसई-विरार क्षेत्र	वसई रोड: 6 प्लेटफॉर्म 3 पिट लाइनें तथा 5 स्टेबलिंग लाइनें नायगाँव - 30 स्टेबलिंग लाइनें विरार - 2 स्टेबलिंग लाइनें
10	डहाणू क्षेत्र	डहाणू : 5 स्टेबलिंग लाइनें न्यू वाणगाँव: 30 स्टेबलिंग लाइनें

उपरोक्त के अलावा, 15 कार वाली ईएमयू को समायोजित करने के लिए 34 स्टेशनों पर प्लेटफार्म विस्तार संबंधी कार्य शुरू किए गए हैं।

क्षमता बढ़ाने के लिए नई परियोजनाएं:

मुंबई उपनगरीय क्षेत्रों में रेल नेटवर्क की कनेक्टिविटी और क्षमता में सुधार करने के लिए, 4,502 करोड़ रुपए की लागत से मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी)-I, 8,087 करोड़ रुपए की लागत से एमयूटीपी-II, 10,947 करोड़ रुपए की लागत से एमयूटीपी-III। और 33,690

करोड़ रुपए की लागत वाले एमयूटीपी-IIIए को स्वीकृति प्रदान की गई है। एमयूटीपी परियोजनाओं सहित मुंबई उपनगरीय क्षेत्र के अंतर्गत कार्यों की स्थिति निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए में)	कार्य की स्थिति
1	विरार-डहाणू रोड तीसरी और चौथी लाइन (64 कि.मी.)	3,578	• संपूर्ण 39 हैक्टेयर भूमि अधिगृहीत कर ली गई। • संपूर्ण 3 लाख घन मीटर खुदाई का कार्य पूरा कर लिया गया। • 16 में से 13 बड़े पुलों का कार्य पूरा कर लिया गया है। • 68 में से 53 छोटे पुलों का कार्य पूरा कर लिया गया है। • सभी 4 निचले सड़क पुलों का कार्य पूरा कर लिया गया है। • 181 में से 60 स्टेशनों/सर्विस भवनों का कार्य पूरा कर लिया गया है। • 128 कि.मी. में से 31 कि.मी. पर रेलपथ बिछाने का कार्य पूरा कर लिया गया है।
2	बोरीवली-विरार पांचवीं और छठी लाइन (26 कि.मी.)	2,184	• 17 हैक्टेयर में से 16 हैक्टेयर भूमि अधिगृहीत कर ली गई है। • पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से वन संबंधी स्वीकृति प्राप्त कर ली गई है। • माननीय उच्च न्यायालय से मैंग्रोव पेड़ों को काटने की अनुमति प्राप्त कर ली गई है। • 6.7 लाख घन मीटर में से 3.3 लाख घन मीटर खुदाई का कार्य पूरा कर लिया गया है। • 23 में से 5 ऊपरी पैदल पुलों के

			विस्तार का कार्य पूरा कर लिया गया है। • 12 में से 2 छोटे पुलों का कार्य पूरा कर लिया गया है। • 3 बड़े पुलों पर कार्य चल रहा है। • स्टेशन भवन और अन्य मदों पर कार्य चल रहा है।
3	नायगांव-जूचंद्र डबल कॉर्ड लाइन (6 कि.मी.)	176	• भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
4	गोरेगांव-बोरीवली हार्बर लाइन का विस्तार (7 कि.मी.)	826	• भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
5	मुंबई सेंट्रल-बोरीवली छठी लाइन (30 कि.मी.)	919	• फेज़-I (बोरीवली-खार रोड, 17 कि.मी.): कमीशन कर दिया गया है। • फेज़-II (खार रोड-मुंबई सेंट्रल): भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
6	चौथी लाइन आसनगांव-कसारा (34.97 कि.मी.)	794	• डिज़ाइन और ड्राइंग कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
7	कल्याण-आसनगांव चौथी लाइन (32 कि.मी.)	1,759	• 92 में से 8 छोटे पुलों पुलों का कार्य पूरा कर लिया गया है। • 28 हैक्टेयर में से 17 हैक्टेयर का भूमि अधिग्रहण पूरा कर लिया गया है। • 7 बड़े पुलों पर कार्य चल रहा है।
8	कल्याण-कसारा तीसरी लाइन (68 कि.मी.)	1,433	• 54 हैक्टेयर में से 48 हैक्टेयर भूमि का अधिग्रहण पूरा कर लिया गया है । • 9 में से 4 बड़े पुलों का कार्य

			पूरा कर लिया गया है। • सभी 5 स्टेशन भवनों का कार्य पूरा कर लिया गया है। • 68 कि.मी. में से 23 कि.मी. पर रेलपथ बिछाने का कार्य पूरा कर लिया गया है।
9	कल्याण-बदलापुर तीसरी और चौथी लाइन (14 कि.मी.)	1,510	• 2 में से 1 बड़े पुल का कार्य पूरा कर लिया गया है। • 4 में से 2 ऊपरी सड़क पुलों का कार्य पूरा कर लिया गया है। • 40 में से 30 छोटे पुलों का कार्य पूरा कर लिया गया है।
10	तीसरी और चौथी लाइन बदलापुर-कर्जत (32.46 कि.मी.)	1,324	• डिज़ाइन और ड्राइंग संबंधी कार्य शुरू कर दिया गया है।
11	पनवेल-कर्जत उपनगरीय गलियारा (29.6 कि.मी.)	2,782	• सभी 3 सुरंगों (3 कि.मी.) का कार्य पूरा कर लिया गया है। • 5 ऊपरी सड़क पुलों, 16 निचले सड़क पुलों का कार्य पूरा कर लिया गया है। • 9 बड़े पुल, 35 छोटे पुलों का कार्य पूरा कर लिया गया है। • 70 कि.मी. में से 67 कि.मी. पर रेलपथ बिछाने का कार्य पूरा कर लिया गया है।
12	ऐरोली-कलवा (एलिवेटेड) उपनगरीय गलियारा लिंक (3.3 कि.मी.)	476	• चरण-I (दीघा में हॉल्ट स्टेशन): कमीशन कर दिया गया है। • फेज़-II (ऐरोली-कलवा एलिवेटेड रेलपथ, 3.3 कि.मी.): भूमि अधिग्रहण और पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन का कार्य शुरू कर दिया गया है।

13	निलजे-कोपर डबल कॉर्ड लाइन (5 कि.मी.)	338	• भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है। • 15 में से 6 छोटे पुलों का कार्य पूरा कर लिया गया है। • 1 लाख घन मीटर में से 0.85 लाख घन मीटर खुदाई का कार्य पूरा कर लिया गया है।
14	सीएसएमटी-कुर्ला पांचवीं और छठी लाइन (17.5 कि.मी.)	891	चरण-I (कुर्ला-परेल, 10.1 कि.मी.): • 12 छोटे पुलों में से 1 पुल का कार्य पूरा कर लिया गया है। • 4 में से 2 स्टेशन भवनों का कार्य पूरा कर लिया गया है। • सायन में ऊपरी सड़क पुल का पुनर्निर्माण कार्य प्रगति पर है। • चरण-II (परेल-सीएसएमटी, 7.4 कि.मी.): • भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है।

नई पीढ़ी की गाड़ियां:

यात्री वहन क्षमता बढ़ाने के लिए, ₹19,293 करोड़ की लागत से मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी)-III और IIIए के तहत दरवाजों सहित 12 कारों के 238 रेक स्वीकृत किए गए हैं। इन रेकों की प्रापण प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

बुलेट ट्रेन परियोजनाः

वर्तमान में, मुंबई-अहमदाबाद उच्च गति रेल (एमएएचएसआर) परियोजना (508 कि.मी.) निष्पादन के अधीन है। मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरुच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में निर्मित किए जाने वाले 12 स्टेशनों सहित यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली से होकर गुजर रही है।

एमएएचएसआर परियोजना के लिए संपूर्ण भूमि (1389.5 हेक्टेयर) का अधिग्रहण कर लिया गया है। सभी सांविधिक स्वीकृतियाँ प्राप्त कर ली गई हैं। सभी 1651 जनोपयोगिताओं को स्थानांतरित कर दिया गया है। महाराष्ट्र राज्य में भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण परियोजना 2021 तक प्रभावित रही है। महाराष्ट्र में 2022 से भूमि अधिग्रहण में तेजी आई है।

अब तक विभिन्न प्रमुख मदों की प्रगति निम्नानुसार है:

मद	प्रगति
पियर्स	452 किलोमीटर
गर्डर	356 किलोमीटर
ट्रैक बेड	209 किलोमीटर
ओएचई मास्ट	190 किलोमीटर

स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:-

क्र.सं.	स्टेशन	स्थिति
1	साबरमती	नींव संबंधी कार्य पूरा किया जा चुका है, प्लेटफॉर्म स्लैब और छत का संरचना संबंधी कार्य और फिनिशिंग के कार्य प्रगति पर हैं।
2	अहमदाबाद	संरचना संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है। फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है।
3	आणंद/नडियाद	
4	वडोदरा	नींव संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है, संरचना संबंधी और फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है।
5	भरुच	संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है और फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है।
6	सूरत	
7	बिलीमोरा	
8	वापी	
9	बोईसर	नींव संबंधी कार्य शुरु किया गया है और अंतिम चरण में है। संरचना संबंधी कार्य शुरु हो चुके हैं।
10	विरार	
11	ठाणे	
12	बीकेसी (मुंबई)	यह एक भूमिगत स्टेशन है। नींव संबंधी कार्य लगभग पूरा किया जा चुका है और बेस स्लैब का कार्य शुरू कर दिया गया है।

नदी पुलों की प्रगति निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	नदी का नाम	स्थिति
1	साबरमती नदी (480 मीटर)	उप-संरचना का कार्य पूरा हो गया है, अधिसंरचना का कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	मेशवा नदी (120 मीटर)	पुल निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
3	वत्रक नदी (280 मीटर)	
4	मोहर (शेढ़ी) नदी (160 मीटर)	
5	माही नदी (720 मीटर)	12 कुंओं में से 11 कुओं के कार्य पूरे कर लिए गए हैं, 5 स्पैन संस्थापित कर दिए गए हैं
6	विश्वामित्री नदी (80 मीटर)	पुल निर्माण का कार्य पूरा किया जा चुका है।
7	धादर नदी (120 मीटर)	
8	नर्मदा नदी (1366 मीटर)	25 में से 21 कुओं का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है; 4 स्पैन लाँच किए गए हैं।
9	किम नदी (120 मीटर)	पुल निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
10	तापी नदी (720 मीटर)	नींव संबंधी कार्य शुरु कर लिया गया है, 12 में से 10 कुओं का कार्य पूरा किया जा चुका है।
11	मिंडहोला नदी (240 मीटर)	पुल निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है।
12	पूर्णा नदी (360 मीटर)	
13	अंबिका नदी (200 मीटर)	
14	वेंगनिया नदी (200 मीटर)	
15	कावेरी नदी (120 मीटर)	
16	खरेरा नदी (120 मीटर)	
17	औरंगा नदी (320 मीटर)	
18	पार नदी (320 मीटर)	
19	कोलक नदी (160 मीटर)	
20	दमन गंगा नदी (360 मीटर)	
21	डारोथा नदी (80 मीटर)	
22	जगनी नदी (360 मीटर)	नींव संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है।

23	वैतरणा नदी (2320 मीटर)	12 पाइल कैप और 11 पियर (58 में से) का कार्य पूरा कर लिया गया है।
24	उल्हास नदी शाखा (120 मीटर)	नींव संबंधी कार्य शुरू करने के लिए अस्थायी पहुंच पुल (टैब) का कार्य पूरा कर लिया गया है।
25	देसाई खादी नदी पुल (400 मीटर)	भू-तकनीकी जांच (जीटीआई) का कार्य पूरा किया जा चुका है और डिजाइन का कार्य शुरू कर दिया गया है।

समुद्र के नीचे सुरंग (लगभग 21 कि.मी.) का कार्य शुरू किया गया है, जिसमें से महाराष्ट्र में घनसोली और शिलफाटा के बीच 4.8 किलोमीटर सुरंग का कार्य पूरा किया जा चुका है।

सूरत-वापी रेलखंड (97 कि.मी.) पर नदी पुल निर्माण सहित सभी सिविल निर्माण कार्य पूरे किए जा चुके हैं और 87% ट्रैक बेड बिछा दिया गया है।

बहरहाल, बुलेट ट्रेन परियोजना अत्यंत जटिल और प्रौद्योगिकी प्रधान परियोजना है। सिविल संरचनाओं, रेलपथ, इलैक्ट्रिकल, सिगनल प्रणाली और दूरसंचार के सभी संबंधित कार्यों और गाड़ीसेटों की आपूर्ति के पूरा होने के बाद ही संपूर्ण परियोजना के समापन की सटीक समय-सीमा का उचित रूप से निर्धारण किया जा सकता है।

इसके अलावा, राष्ट्रीय परिवहन अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने, क्षेत्रीय संपर्कता, आर्थिक विकास, पर्यटन, निवेश और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने तथा सड़क और हवाई परिवहन से रेल में मोडल शिफ्ट को प्रोत्साहित करने हेतु सरकार ने केंद्रीय बजट 2026-27 में निम्नलिखित सात नए उच्च गति रेल (एचएसआर) गलियारों के विकास की घोषणा की है:-

(i) मुंबई-पुणे
(ii) पुणे-हैदराबाद
(iii) हैदराबाद-बेंगलूरु
(iv) हैदराबाद-चेन्नै
(v) चेन्नै-बेंगलूरु
(vi) दिल्ली-वाराणसी
(vii) वाराणसी-सिलीगुड़ी

अत्यधिक पूंजी प्रधान होने के कारण, किसी भी हाई स्पीड रेल गलियारे/परियोजना को स्वीकृति देने का निर्णय कई कारकों जैसे विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का परिणाम, तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन और वित्तपोषण विकल्पों आदि जैसे संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर:

रेल मंत्रालय ने दो डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर यथा लुधियाना से सोननगर तक ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (1337 कि.मी.) और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (जेएनपीटी) से दादरी तक वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (1506 कि.मी.) का निर्माण कार्य शुरू किया है।

ईडीएफसी और डब्ल्यूडीएफसी का कार्य पूरा कर लिया गया है और इसे कमीशन कर दिया गया है। औसतन डीएफसी पर प्रतिदिन 443 से अधिक गाड़ियां संचालित की जाती हैं। ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (ईडीएफसी और डब्ल्यूडीएफसी) के पूरी तरह से चालू खंडों ने सुदृढ़ परिचालनिक निष्पादन का प्रदर्शन किया है। माल ढुलाई की मात्रा में लगातार वृद्धि हुई है, जिसमें औसत गति अधिक है, टर्नअराउंड तेज़ हुए हैं और विश्वसनीयता में वृद्धि हुई है। कॉरिडोर में कंटेनर, कोयला और थोक कार्गो की आवाजाही में लगातार वृद्धि हो रही हैं, जो माल ढुलाई परिवहन में क्षमता वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर द्वारा माल यातायात को ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की ओर डायवर्ट कर पारंपरिक नेटवर्क पर अतिरिक्त मार्ग सृजित करने में योगदान दिया है। इसके परिणामस्वरूप, रेलवे को अपने नेटवर्क पर अतिरिक्त माल और कोचिंग सेवाओं के परिचालन में सफलता मिली है।

डीएफसी ने तेजी से पारगमन समय, उच्च थ्रूपुट और डबल-स्टैक कंटेनर संचालन (विशेष रूप से पश्चिमी डीएफसी पर) को सक्षम किया है। इन सुधारों ने समग्र लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने, आपूर्ति श्रृंखला दक्षता में सुधार करने और भारतीय उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में योगदान दिया है।

केंद्रीय बजट 2026 में पूर्व में डानकुनि को पश्चिम में सूरत से जोड़ने वाले एक नए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की घोषणा की गई है। इस गलियारे के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने/अद्यतन करने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में स्वीकृत परियोजनाएं:

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में पड़ने वाली 76,631 करोड़ रुपए की लागत तथा 2,183 किलोमीटर कुल लंबाई वाली 27 परियोजनाएं (14 नई लाइनें, 02 आमान परिवर्तन और 11 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। सारांश इस प्रकार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी.)	मार्च 2026 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	14	781	207	36747
आमान परिवर्तन	2	734	655	2066
दोहरीकरण/बहुपथन	11	669	165	4566
कुल	27	2184	1027	43379

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में पड़ने वाली तथा हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए में)
1	अररिया-गलगलिया (ठाकुरगंज) नई लाइन (111 कि.मी.)	4415
2	बइरबी-सायरंग नई लाइन (51 कि.मी.)	8601
3	न्यू बोंगाईगांव-अगथोरी वाया रंगिया दोहरीकरण (143 कि.मी.)	2048
4	अगरतला-अखौरा नई लाइन (5 कि.मी.)	865
5	डिगारू - होजाई दोहरीकरण (102 कि.मी.)	1873
6	अंबारी फालाकाटा-न्यू मैनागुड़ी दोहरीकरण (38 कि.मी.)	843
7	न्यू मैनागुड़ी-गुमानीहाट दोहरीकरण (52 कि.मी.)	1167
8	अगरतला-सबरूम नई लाइन (112 कि.मी.)	3170
9	हल्दीबाड़ी अंतर्राष्ट्रीय सीमा नई लाइन (3 कि.मी.)	90

10	लामडिंग - होजाई दोहरीकरण (45 कि.मी.)	410
11	बोगीबील पुल लिंक्ड लाइन के साथ (92 कि.मी.)	5820
12	न्यू कोचबिहार-गुमानीहाट दोहरीकरण (29 कि.मी.)	330
13	न्यू कोचबिहार-समुक्तला रोड दोहरीकरण (29 कि.मी.)	445
14	कटखाल-बइरबी आमान परिवर्तन (84 कि.मी.)	348
15	कुमारघाट-अगरतला आमान परिवर्तन (109 कि.मी.)	1242
16	लामडिंग-बदरपुर-सिलचर और बदरपुर-कुमारघाट आमान परिवर्तन (412 कि.मी.)	6500
17	न्यू माल जंक्शन - चंगरबांधा आमान परिवर्तन (62 कि.मी.)	316
18	रंगिया-मुर्कोंगसेलेक आमान परिवर्तन (510 कि.मी.)	3019

<u>चालू परियोजनाएं:</u>

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में पड़ने वाली परियोजनाएं जो शुरू की गई हैं, वे निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए में)
1	जिरीबाम-इम्फाल नई लाइन (111 कि.मी.)	21886
2	दीमापुर-कोहिमा नई लाइन (82 कि.मी.)	6663
3	सिवोक-रंगपो नई लाइन (44 कि.मी.)	11775
4	बालुरघाट-हिली नई लाइन (30 कि.मी.)	1181
5	मुरकोंगसेलेक-पासीघाट नई लाइन (27 कि.मी.)	1249
6	बानरहाट (भारत) से समत्से (भूटान) नई लाइन (20 कि.मी.)	577
7	कोकराझार (भारत) से गेलेफू (ब्लहुतन) नई लाइन (69 कि.मी.)	3456
8	न्यू बोंगाईगांव - गोलपारा-गुवाहाटी (कामाख्या) दोहरीकरण (176 कि.मी.)	4984

9	सरायघाट पुल दोहरीकरण (7 कि.मी.)	1474
10	लामडिंग-फारकाटिंग दोहरीकरण (140 कि.मी.)	2124
11	कटिहार - कुमेदपुर और कटिहार - मुकुरिया दोहरीकरण (65 कि.मी.)	943
12	अलुआबाड़ी रोड- ठाकुरगंज दोहरीकरण (20 कि.मी.)	327
13	अलुआबाड़ी रोड-न्यू जलपाईगुड़ी तीसरी और चौथी लाइन (57 कि.मी.)	1630
14	फरकाटिंग - न्यू तिनसुकिया दोहरीकरण (194 कि.मी.)	3634

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वानिकी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

रेल परियोजनाओं के प्रभावी और त्वरित कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों में शामिल हैं:

- निधियों के आबंटन में पर्याप्त वृद्धि।
- फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन।
- विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की कड़ी निगरानी।
- परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों के समाधान हेतु भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव मंजूरी के लिए राज्य सरकारों और संबंधित अधिकारियों के साथ नियमित रूप से अनुवर्ती कार्रवाई करना।

रेल विद्युतीकरण:

भारतीय रेल में रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण मिशन मोड में शुरू किया गया है। अब तक, बड़ी लाइन नेटवर्क का लगभग 99.6% विद्युतीकृत किया जा चुका है। शेष नेटवर्क का विद्युतीकरण कार्य शुरू कर दिया गया है। वर्ष 2014-26 के दौरान और वर्ष 2014 से पहले किए गए विद्युतीकरण कार्य का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	मार्ग कि.मी.
2014 से पहले (लगभग 60 वर्ष)	21,801
2014-26	48,072

महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में, संपूर्ण मौजूदा बड़ी लाइन नेटवर्क का विद्युतीकरण कर दिया गया है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में मौजूदा लाइनों में से लगभग 98.7% का विद्युतीकरण किया जा चुका है। इसके अलावा, सभी नई लाइन/मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं की स्वीकृति व निर्माण, विद्युतीकरण के साथ ही किया जा रहा है।

स्टेशन पुनर्विकासः

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में भारतीय रेल के स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उन्हें चरणबद्ध रूप में कार्यान्वित करना शामिल हैं। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, मास्टर प्लान बनाने में निम्नानुसार कार्य शामिल किए गए हैं:

- **स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार**
- **शहर के दोनों भागों के साथ स्टेशन का एकीकरण**
- **स्टेशन भवन का सुधार**
- **प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथों में सुधार**
- **यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/सबवे का प्रावधान**
- **लिफ्टों/एस्केलेटरों/रैंप का प्रावधान**
- **प्लेटफॉर्म सतह में सुधार/प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का प्रावधान**

- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एयर कॉनकोर्स, एग्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान आदि तथा दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1340 स्टेशनों की पहचान की गई है, जिनमें से 92 स्टेशन पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में हैं। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए पहचाने गए स्टेशनों के नाम हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे	92	अगरतला, अलीपुरद्वार जंक्शन, अलुआबाड़ी रोड, अमगुरी, अररिया कोर्ट, अरुणाचल, बालुरघाट, बारसोई जंक्शन, भालुका रोड, बिन्नागुड़ी, चपरमुख, दलगांव, दलखोला, धर्मनगर, धेमाजी, धुबड़ी, धुपगुड़ी, डिब्रूगढ़, दीमापुर, दिनहाटा, दीफू, दुलियाजान, फकीराग्राम जंक्शन, फालाकाटा, गौरीपुर, गोहपुर, गोलाघाट, गोसाई गाँव हाट, गुवाहाटी, हैबरगाँव, हल्दीबाड़ी, हरिश्चंद्रपुर, हरमुती, हासीमारा, होजाई, इंफाल, जगी रोड, जलपाईगुड़ी, जलपाईगुड़ी रोड, जोरहाट टाउन, कालियागंज, कामाख्या जंक्शन, कामाख्यागुड़ी, कटिहार जंक्शन, किशनगंज, कोकराझार, कुमारघाट, कुमेदपुर जंक्शन, लाभा, लंका, लेडो, लुमडिंग जं, मजबत, मकुम जंक्शन,

		मालदा कोर्ट, मार्गेरिटा, मारियानी जंक्शन, मेंडी पठार, मुरकोंगसेलेक, नाहरकटिया, नाहरलागुन (ईटानगर), नलबाड़ी, नामरूप, नारंगी, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू बोंगाईगांव जंक्शन, न्यू कोचबिहार, न्यू हाफलोंग, न्यू जलपाईगुड़ी जंक्शन, न्यू करीमगंज जंक्शन, न्यू माल जंक्शन, न्यू तिनसुकिया जंक्शन, नॉर्थ लखीमपुर, पाठशाला, रंगपाड़ा नॉर्थ जंक्शन, रंगिया जंक्शन, रंगपो, सायरंग (आइजोल), सलमारी, समसी, सरुपथर, सिबसागर टाउन, सिलापाथर, सिलचर, सिलीगुड़ी जंक्शन, सिमालुगुरी, तंगला, ठाकुरगंज, तिनसुकिया, उदयपुर, उदलगुरी, विश्वनाथ चारियाली

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के स्टेशन जहां कार्य पूरा कर लिया गया है:

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के स्टेशन जहां कार्य पूरा कर लिया गया है, इस प्रकार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे	5	हैबरगांव, हल्दीबाड़ी, जलपाईगुड़ी रोड, कामाख्यागुड़ी, माजबाट

अन्य स्टेशनों पर विकास के लिए कार्यकलाप भी अच्छी गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

- धर्मनगर स्टेशन: प्लेटफॉर्म शेल्टर में सुधार, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, पहुंच मार्ग, चहारदीवारी और प्लेटफॉर्म सं. 1 और 2 पर एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली की स्थापना का कार्य पूरा हो चुका है। नए स्टेशन भवन, 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल, प्रतीक्षालय में सुधार, परिचलन क्षेत्र में सुधार और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का कार्य शुरू किया गया है।

- धुबड़ी स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्रवेश द्वार प्रांगण, ऊंचाई वाले नए प्लेटफॉर्म सं. 2 और 3, मौजूदा स्टेशन भवन में सुधार, परिचलन क्षेत्र, प्लेटफॉर्म शेल्टर, शौचालय,

चहारदीवारी, 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल और सवारी डिब्बा संकेतन बोर्ड की स्थापना का कार्य पूरा हो चुका है। लिफ्ट का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- कुमारघाट स्टेशन : प्लेटफॉर्म सं. 2 पर पहुंच मार्ग, चहारदीवारी और एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली की स्थापना का कार्य पूरा हो चुका है। 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल, लिफ्ट, नए प्रतीक्षालय, प्लेटफार्म शेल्टर और परिचालन क्षेत्र के सुधार का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- नारंगी स्टेशनः नए स्टेशन बिल्डिंग ब्लॉक, प्रवेश द्वार प्रांगण, नए प्रतीक्षालय, मौजूदा स्टेशन भवन में सुधार, परिचलन क्षेत्र में सुधार, प्रवेश/निकास द्वार और चहारदीवारी का कार्य पूरा कर लिया गया है। प्लेटफॉर्म सं. 1 के विस्तार, लिफ्ट, 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- शिमलगुड़ी स्टेशन : प्रतीक्षालय के सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। प्रवेश/निकास द्वार, परिचलन क्षेत्र में सुधार, 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल, दिव्यांगजनों के लिए स्पर्शनीय पथ और पे एंड यूज शौचालय का कार्य शुरू किया गया है।

- विश्वनाथ चरियाली स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्रवेश द्वार प्रांगण, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पहुंच मार्ग, टॉयलेट ब्लॉक, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सं. 1 का विस्तार, सवारी डिब्बा संकेतन बोर्ड और रेलगाड़ी संकेतन बोर्ड की स्थापना का कार्य पूरा हो चुका है। लिफ्ट का कार्य शुरू कर दिया गया है।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों की परस्पर प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार, निर्माण कार्य शुरू किए जाते हैं। स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण, उस स्टेशन की कोटि/दशा/संभाले गए यातायात आदि के आधार पर किया जाता है।

सामान्यतः, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण को योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत निधि आबंटन और व्यय का विवरण क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि स्टेशन-वार या राज्य-वार। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के लिए वित्त वर्ष 2026-27 में 431 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जून, 2026 तक), 179 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

****